वर्षः- 06
अंकः- 101
मुरादाबाद
(Friday)
31 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सावन का पहला दिनः सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक, काल भैरव के किए दर्शन-पूजन

सावन के पहले दिन बृहस्पतिवार को काशी के मंदिरों व शिवालयों में जलाभिषेक के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं। इसी बीच सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में सीएम योगी ने जलाभिषेक किया। सावन माह के पहले दिन बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ के षोडशोपचार दर्शन-पूजन किए और जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामना की। इसके साथ ही उन्होंने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा कालभैरव के दर्शन-पूजन किए।मुख्यमंत्री

गाजीपुर में सीएम योगी का तंजः यूपी में सब चंगा, नो दंगा, जेल में हैं उपद्रव करने वाले अपराधी

योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद बाबा कालभैरव मंदिर में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सस्वर भैरवाष्टकम् स्तोत्र के बीच मंगल कामना के लिए आरती भी उतारी। मुख्यमंत्री के इस प्रवास का उद्देश्य सावन माह में प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करना रहा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काशी प्रवास के दौरान प्रदेशवासियों के कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर मंदिर के शिखर को प्रणाम किया और गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। मुख्यमंत्री योगी ने गाजीपुर को 691 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें 83 परियोजनाओं का लोकार्पण और 185 का शिलान्यास शामिल है। इस दौरान उन्होंने गाजीपुर को आतंक विरोधी जिला बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को मुहम्मदाबाद मंडी समिति मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले को करीब 691.74 करोड़ रुपये की 268 विकास परियोजनाओं की सौगात दिया। इनमें 83 परियोजनाओं का लोकार्पण और 185 का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऋषि-मुनियों की पावन धरा गाजीपुर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस पवित्र भूमि को नमन करने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने बताया कि गाजीपुर का उल्लेख रामायण कालखंड से मिलता है। उन्होंने इसे महाराज गाजी की पावन धरती बताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान राम और लक्ष्मण ताड़का वध के लिए इसी धरती से बक्सर गए थे। योगी आदित्यनाथ ने गहमर गांव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने इसे एशिया और देश का सबसे बड़ा गांव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहमर को 12,000 फौजियों के गांव के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अकेले इसी गांव में 12 हजार से अधिक सैनिक और सेवारत अधिकारी निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में जब भी देश की सीमाओं की रक्षा की बात आती है, तो गाजीपुर के फौजियों का योगदान अविस्मरणीय है। जिले के सैनिकों ने 1961, 1965 और 1971 के युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भी उन्होंने अपना योगदान दिया। यह गाजीपुर की वीर भूमि का प्रमाण है।प्रभारी मंत्री रवींद्र जायसवाल ने अपने संबोधन में सरकार की नीतियों की प्रशंसा की। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने भी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखे हमले किए और भाजपा तथा सुभासपा के लिए समर्थन मांगा। राजभर ने कहा कि सपा के शासनकाल में प्रदेश में एक हजार दंगे हुए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर रोक लगाई। राजभर ने दावा किया कि वर्तमान सरकार में अपराधी प्रदेश छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे सभी सीटों पर भाजपा को विजयी बनाएं। साथ ही, उन्होंने सुभासपा को भी उचित भागीदारी देने की बात कही। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में सपा 27 सीटें भी नहीं जीत पाएगी।योजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, सीवर, पर्यटन, खेल और कानून-व्यवस्था से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। कार्यक्रम के तहत कुल 69,174.82 लाख रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। रुपये की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19,914.88 लाख रुपये की नई परियोजनाओं का शिलान्यास प्रस्तावित है। सबसे अधिक परियोजनाएं सदर विधानसभा क्षेत्र में हैं, जबकि जखनियां, सैदपुर, मुहम्मदाबाद, जमानियां, जहूराबाद और जंगीपुर विधानसभा क्षेत्रों को भी विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई और भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीर अब्दुल हमीद इसी गाजीपुर की धरती से थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने महाराज सुहेलदेव के नाम पर कोई भी आयोजन नहीं होने दिया।गाजीपुर में सीएम योगी ने सपा सांसद अफजाल अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां के सांसद अवैध शस्त्र लाइसेंस बनवाने में व्यस्त, वहां के भगवान ही मालिक हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में यूपी में सब चंगा है, नो दंगा। दंगाई अब जेल में हैं। माफिया किसी के नहीं होते, ये समाज का खून चूसते हैं। ये कब्र में जाकर फातिया पढ़ने वाले लोग हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार ने पहले ही दिन तय किया था दंगाइयों को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा। दंगा करने वाले आज मिट्टी में दफन हो गए हैं अब माफिया किसी भी बेटी की तरफ नजर उठाने से पहले डरते हैं। उन्हें पता है कि कहीं मिट्टी में दफन होना पड़ेगा। योगी आदित्यनाथ ने गहमर गांव का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने इसे एशिया और देश का सबसे बड़ा गांव बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गहमर को 12,000 फौजियों के गांव के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि अकेले इसी गांव में 12 हजार से अधिक सैनिक और सेवारत अधिकारी निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत में जब भी देश की सीमाओं की रक्षा की बात आती है, तो गाजीपुर के फौजियों का योगदान अविस्मरणीय है। जिले के सैनिकों ने 1961, 1965 और 1971 के युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में भी उन्होंने अपना योगदान दिया। यह गाजीपुर की वीर भूमि का प्रमाण है।

भाजपा के लोग आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप के दोषी, अखिलेश सहित सपा सांसदों ने किया प्रदर्शन

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित सपा सांसदों ने संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। इसे लेकर अखिलेश यादव ने एज़्स पर बयान दिया और भाजपा को लोकआस्था के विश्वासघात का दोषी बताया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध के दोषी हैं। उन्होंने एज़्स पर कहा कि भाजपा और उनके संगीसाथी 'आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध' के दोषी हैं!

देश की आस्थावान जनता का मानना है कि भाजपा और उनके संगीसाथियों ने 'श्रद्धा में सेंधमारी' करते हुए जिस तरह 'दानपात्र' से चढ़ावाचंदा चोरी की है। गुप्त दान में महाघपले किये हैं। दान की रसीद दी ही नहीं है या दान के बदले नक़ली रसीद छपवाकर दी है।अपने लोगों को कौड़ियों के दाम में अयोध्या की जमीनें खरीदवाकर, फिर उसे बीसों गुना दाम में करोड़ों में मंदिर को बेचकर ट्रस्ट के 'धर्मखाते' को लूटा है। जमीन के सौदे के अशुभ लाभ को आपस में बांटा है। ईमानदार लोगों द्वारा आपज़ि किये जाने पर उन्हें हटाया है। हर जगह अपने भ्रष्ट लोग सेट किये हैं। ये अक्षज़्य महापाप है।उन्होंने आगे कहा कि चोरी की राशि की बरामदगी को दर्ज नहीं कराया गया है। जांच में कुछ भी 'उल्लेखनीय' नहीं है, ये कहकर गुमराह किया है। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग और अन्य सबूत मिटाए हैं जिनकी खुद की जांच चल रही है, उनसे जांच करवाई है।उन्होंने कहा कि राम मंदिर मामले में बिना किसी की जिज़्मेदारी तय किये, ट्रस्ट के उच्चस्थ पदाधिकारियों को ज़्लीन चिट दे दी गई है। मंदिर का धन और बहुमूल्य धातुओं को बोरों में भरकर कहीं और पहुँचाया है ये महापाप है। इसीलिए 'लोकधन की लूट' का मुद्दा लोकसंसद तक पहुँचाना और उठाना, हम सब का धर्म सज़्मत कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा का साथी है वो रामघातीमहापापी है।अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के सांसदों में दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

हॉकी इंडिया की जर्सी का रंग बदलने पर भड़कीं प्रियंका गांधी, सरकार और RSS पर साधा निशाना

हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने आरएसएस और भाजपा पर हमला किया। उन्होंने आरएसएस के इतिहास पर भी सवाल उठाया। इसके अलावा, उन्होंने पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर भी सरकार से सवाल पूछा।भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर भगवा किए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने ज़्या कहा? उन्होंने कहा, चाहे वे जर्सी का रंग बदलें या शिक्षा नीति के जरिये इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, वे चाहे जो भी करें। आपने देखा है कि हमारे देश के युवा ज़्या सोचते हैं। आपने जंतरमंतर पर जुटे युवाओं की बात सुनी है। यह देश की आवाज है।

आरएसएस पर साधा निशाना प्रियंका गांधी ने कहा, अहिंसा और सत्य पर इस देश की आजादी की लड़ाई की नींव रखी गई थी। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश इस सच्चाई को जानता है। जिन लोगों को नहीं पता था, उनको आज पता चल रहा कि इनकी नीयत ज़्या है। कायम रहेगी देश की आत्माकांग्रेस सांसद ने आगे कहा, महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने आंदोलन का नेतृत्व किया था। इस देश की आत्मा अहिंसा, सत्य और भाईचारे पर आधारित है। इसे कोई नहीं छीन सकता, न आरएसएस और न ही कोई और। वे चाहे जितना भी समाज में विभाजन पैदा करें, हिंसा भड़काएं या नफरत फैलाएं, लेकिन देश की आत्मा कायम रहेगी, जो भाईचारे, आपसी प्रेम और एकता से बनी है। वे इसे खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा, (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष) राहुल जी आपके सामने जिस लड़के के पूरे शरीर में पैलेट के निशान दिखा रहे थे, वे पैलेट कहां से आए? ज़्या वे आसमान से गिर गए थे?

संक्षिप्त समाचार

संसद में गृह मंत्री की गैरमौजूदगी पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल, पूछा सदन आने से ज़्यों डर रहे हैं?

छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस की कथित कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी ने अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग दोहराई, जबकि भाजपा ने आरोपों को बेबुनियाद बताया।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री शाह की संसद में गैरमौजूदगी अपराधबोध की भावना दिखाती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती की जांच की मांग भी दोहराई। राहुल गांधी ने ज़्या कहा? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एज़्स पर एक वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में पुलिस छात्रों पर लाठीचार्ज करती नजर आ रही है। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा, छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। हमारे छात्रों के खिलाफ हुई बर्बरता की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्च स्तरीय समिति बनाई जानी चाहिए। राहुल गांधी ने यह बात सुरक्षा बलों की ओर से 20 जुलाई को संसद तक निकाले गए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले विरोध मार्च और देश के अन्य हिस्सों में छात्र प्रदर्शनकारियों पर की गई कथित कार्रवाई का जिक्र करते हुए कही। दूसरी पोस्ट में ज़्या कहा? एक अन्य पोस्ट में राहुल गांधी ने पूछा कि शाह संसद में आकर छात्रों के खिलाफ हुई कथित बर्बर हिंसा पर जवाब देने से इतना डर ज़्यों रहे हैं।

खरगे की मनुस्मृति वाली टिप्पणी पर राज्यसभा में हंगामा, नड्डा बोले- जो कहा प्रमाणित करें

आज संसद के मानसून सत्र का नौवां दिन है। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित कर दी गई। दोपहर तीन बजे तक के लिए निचले सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। वहीं, राज्यसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा जारी है।खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका को लेकर भी सरकार को घेरा।उन्होंने कहा कि पिछले कुछ

वर्षों में 152 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए, लेकिन अब तक एक भी दोषी को सजा नहीं मिली। खरगे ने सवाल उठाया कि आखिर सरकार ज़्या कर रही थी और ज़्या जांच एजेंसियां सो रही थीं? उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी एक वर्ग का विशेषाधिकार नहीं हो सकती और सभी को समान अवसर मिलना चाहिए। खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस का शिक्षा संस्थानों पर प्रभाव बढ़ रहा है और विश्वविद्यालयों में बड़ी संज़्या में उसके सहयोगियों की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर कुल बजट का छह प्रतिशत खर्च होना चाहिए, लेकिन यह तीन प्रतिशत से भी कम है। साथ ही उन्होंने पाठ्यक्रम में कथित तौर पर शामिल उन विचारों का विरोध किया, जिनमें शूद्रों के वेद सुनने या वैदिक मंत्रों के उच्चारण पर कठोर दंड का उल्लेख है। इन आरोपों के बाद राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ। इसके बाद नड्डा ने इस बात का विरोध किया। और कहा कि ये इस बात का कोई तथ्य नहीं है और अगर है तो वो प्रमाणित करें।कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह सरकार ऐसी घटनाओं को पहले ही रोकने के बजाय सिर्फ डैमेज कंट्रोल और हेडलाइन मैनेजमेंट करती है। खरगे ने कहा कि दोबारा परीक्षा कराना कई गरीब परिवारों पर बोझ डालता है। बारबार यात्रा का खर्च उठाने में असमर्थ होने के कारण कई छात्र दोबारा परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए, जिससे गरीब छात्रों की परेशानी बढ़ी।सुधांशु त्रिवेदी ने बोलना शुरू किया तो उन्होंने पूर्व कलकज़ा हाईकोर्ट के न्यायाधीश विलियम जोन्स और डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुस्तक का हवाला देते हुए मूल ग्रंथ के प्रमाणीकरण की आवश्यकता बताई। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एक पुस्तक दिखाते हुए कहा कि यह मौजूदा सरकार के कार्यकाल में प्रकाशित हुई है, बाजार में उपलज़्ध है और इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सज़ा पक्ष इसी पुस्तक का हवाला दे रहा है तो इसकी जिज़्मेदारी भी उसी की बनती है, ज़्योंकि वह पिछले 12 वर्षों से सज़ा में है। इस पर जेपी नड्डा ने फिर मूल और ब्रिटिश काल से पहले के संस्करण को पेश करने की मांग की और कहा कि ऐसे बयान समाज में अशांति फैलाते हैं। बाद में सभापति ने खरगे की मनुस्मृति संबंधी टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया।

संपादकीय Editorial

The Champion Chanu Trio

Today, we will salute the sporting successes of a champion daughter and a son on the verge of becoming a champion, both from a state riven by violence and ethnic tensions like Manipur. Mirabai Chanu is a world-renowned weightlifter. She has set a new milestone in the 96-year history of the Commonwealth Games by winning gold for the third consecutive time (2018, 2022, and now 2026). It is a coincidence that Chanu has won India's first gold medal on all three occasions. Mother India must surely be brimming with joy and pride, as Chanu's eyes welled up with tears upon hearing the tune of "Jana Gana Mana" and seeing the honor accorded to the tricolor. Having achieved such a record, Chanu is the world's first female weightlifter in her weight category. Rishikant Singh, also from Manipur, also won the 60 kg gold medal. He won the Commonwealth Games silver medal in his weight category, undoubtedly making India proud. He lifted a total of 264 kg. If he hadn't had a knee problem and hadn't struggled, he too would have been a "golden champion"! He missed his last two attempts in the clean and jerk, otherwise, Rishikant would have been a gold medalist too! Nevertheless, we are delighted with this achievement and call it "great." We initially wrote that our son was on the verge of becoming a champion, and Rishikant proved that to be largely accurate. He is also the gold medalist at the 2025 Commonwealth Weightlifting Championships, where he set a "national record" by lifting 271 kg. Now, in this Commonwealth Games competition, he has equaled the Games record by lifting 121 kg in the snatch. Wow, well done, son Rishi! Isn't this a champion performance? Both Mirabai Chanu and Rishikant come from poor families and small villages. They endured deprivation, hardship, and survived a life of crisis, and this has been their strength and inner mental power. Rishi's father drove a taxi, and Rishi cycled 40 km to train. Chanu carried bamboo poles as a child.

These were her first, foundational exercises, shaping her into a world-class weightlifter. Chanu won the silver medal in weightlifting at the 2020-21 Tokyo Olympic Games, but she missed out on a medal at the 2024 Paris Olympic Games. As a result, she must have felt disappointment, frustration, and defeat. Her body also failed in many areas, leading to extensive surgery and treatment. Finally, Chanu announced her comeback with a spectacular gold medal at the 2025 Commonwealth Championships. By becoming a three-time Commonwealth Games champion, Chanu has proven she's ready for the 2028 Olympics. These two Manipuri and Indian weightlifters are truly warriors. To date, no female athlete has lifted 85 kg in the snatch and 105 kg in the clean and jerk, a total of 190 kg, in the 48 kg weight category. Chanu now holds these three records in a single day, during a single competition. Salute to the skill, practice, hard work, and determination of these two athletes. They are truly "children of the poor." Chanu has been awarded numerous prestigious sporting honors, but the Arjuna Award remains unfulfilled. She has become such a great athlete, dreaming of it since childhood, so why should she be deprived of this honor? The Commonwealth Games have just begun. India still has many more medals to its credit, though events like wrestling, badminton, and shooting have been excluded from these Games. Why is this mischief being done at the Commonwealth level when these sports are included in the Olympic Games? Nevertheless, India is also becoming a hub of sports and champion athletes. We are the world champions and the number one team in T20 cricket. Anahat Singh became the junior world champion in squash. The world champion in chess, Gukesh, is also an Indian.

Paper leaks are an institutional disease.

The CJP's protest at Jantar Mantar and Sonam Wangchuk's hunger strike over the NEET paper leak case energized political parties. Even after the Education Minister's resignation, the author believes that paper leaks are an institutional disease, one that cannot be resolved solely through law, but through technology and ethical values. CJP protests over the NEET paper leak, Sonam Wangchuk's hunger strike. The Education Minister's resignation, and the government's decision to enact stricter legislation. Paper leaks are an institutional disease, a moral decline, and a solution possible through technology. A few weeks before the start of the monsoon session of Parliament, the Cockroach Janata Party (CJP), a group protesting at Jantar Mantar in Delhi demanding the resignation of Education Minister Dharmendra Pradhan over the NEET paper leak case, gained some traction when Ladakhi social activist Sonam Wangchuk began a hunger strike.

On July 18, when Delhi Police took Sonam Wangchuk to the hospital, the crowd at Jantar Mantar began to swell. On July 20th, the day Parliament opened, a large crowd gathered at Jantar Mantar ahead of the CJP's Parliament March. When police prevented the crowd from proceeding toward Parliament, some miscreants began pelting stones and crossing barricades.

The police's strictness in preventing the crowd from proceeding toward Parliament revealed that they had neither anticipated the crowd nor formulated a concrete strategy to deal with it. It's not surprising that their strictness became an issue, but the truth is that some elements in the crowd had come prepared to target the police.

It is not correct to create an impression that the crowd did nothing and the police used force unnecessarily. After all, a large number of police personnel, along with protesters, were among the injured. It should also not be overlooked that the CJP chief himself acknowledged the presence of some unruly elements among his supporters. Following the violence during the CJP's Parliament march, political parties found an issue against the government and began competing to capitalize on it. When the Congress party saw the CJP gaining prominence, Rahul Gandhi suddenly arrived to stage a sit-in near the Prime Minister's residence. The Aam Aadmi Party (AAP) objected, accusing the BJP and Congress of collusion. Clearly, the opposition's stance was more about promoting its own political agenda under the guise of student welfare.

The Congress, which has rejected Sonam Wangchuk, who has broken his fast, appeared concerned that supporting the CJP could prove politically detrimental. One reason for concern for the Congress and other opposition parties was that a newly formed organization gained more prominence than its opposition to the NEET paper leak. This should be a cause for concern, as it demonstrates the public's lack of trust in them. Opposition parties may tout Dharmendra Pradhan's resignation announcement as a victory, but it is more a result of pressure from students under the CJP's banner.

Before the Education Minister's resignation, the Prime Minister decided to establish fast-track courts to take strict action against those responsible for the paper leak and to further tighten the Public Examinations Act. The government also agreed to the CJP's demand for compensation to the families of students who committed suicide following the NEET paper leak, and to take no action against those accused of violence in the Parliament March. Following this, the CJP agreed to end the protests. However, if it is assumed that the Education Minister's resignation will fix everything on the exam front, this is incorrect. Paper leaks are an institutional disease. This disease is not limited to competitive exams. Now, even teachers are being found involved in paper leaks. Everyone knows that cheating occurs in school exams, and that papers for these exams are also leaked and conducted.

Cheating has become a social evil. Many of the students who are furious over the paper leak issue today may be aware that many of their classmates have been passing by cheating. Will the CJP demand that those who cheat and facilitate cheating in exams be brought under the purview of the Public Examinations Act, or should a new law be enacted?

CJP members and their supporters cannot be unaware that the trend of cheating is increasing. Students who have been accustomed to passing exams through cheating since their childhood also try to pass competitive exams through fraud. Sometimes, even parents and teachers support them. This has created a market for paper leaks. This market has given rise to a paper leak mafia, which includes coaching institutes. The paper leak mafia bribes those involved in conducting exams. This time, the NEET papers were leaked by the very teachers who were responsible for maintaining the integrity of the exam. Therefore, it is difficult to say that simply tightening the law on paper leaks will solve the problem. Technology should be adopted as a solution. In today's era, conducting exams using old methods is not justifiable. Especially when technology is readily available and proving effective.

In the past few years, so many exam papers have been leaked that it's difficult to count them. Since papers for many central exams, as well as for numerous competitive exams in nearly every state, have been leaked, political parties cannot simply blame each other and shirk their responsibility. They must understand that the paper leak problem must be addressed together. They must also consider that a major cause of paper leaks is the moral decline of society, and they too are responsible for this moral decline.

This moral decline is giving rise to problems like cheating and paper leaks in examinations. Does any government, political party, or CJP have any solution to stop this moral decline? If the paper leak issue is debated in Parliament, will this moral decline also be debated? Until attention is paid to the decline of moral values, cheating in examinations will continue, and competitive exam papers will continue to be leaked.

The Pros and Cons of Resignations

Now that Pradhan has resigned, it has presented two significant challenges for the BJP. The Education Ministry is considered ideologically crucial. Dharmendra Pradhan's resignation represents a victory for the student movement. Resignations often carry political messages, not the end of a career. Leaders like Shastri and Scindia had made comebacks. Following the CJP's protest, Education Minister Dharmendra Pradhan was ultimately forced to resign. This cannot be called "better late than never" because the government delayed too long. The only relief for the government is that the student movement, which had become a thorn in its side, has ended, at least for now. Similarly, the government can move forward with some important legislation, hoping to end the opposition's mobilization in Parliament on this issue.

In a government where a senior minister has always stated that resignations never happen in this government, Dharmendra Pradhan's departure may come as a surprise to many. Many interpretations are being drawn from it. Immediately after the resignation, CJP founder Abhijit Dipke's cry, "The world bows, we need someone to make it bow," may be interpreted by many as a "defeat for the government." However, even if this is accepted as a defeat for the government, it is hardly a moment of great joy for the opposition. There are two reasons for this: no one in the country is ready to accept that Pradhan resigned under pressure from the opposition. The student protests are being given full credit for this. By forcing Pradhan to resign, the government has, in a way, taken away from the opposition an issue that could have been raised regarding the flaws in the education system, potentially leading to further difficulties for the government. Now, it can be assumed that the government will settle the matter and return to its previous position. In the future, it will likely listen more to the CJP, so as to create a narrative of ignoring major opposition parties like the Congress and the Samajwadi Party.

In this context, it is pertinent to understand the history of resignations, as well as the political pros and cons of resignations. A common perception is that the resignation of a political figure signifies the end of their political career, but in reality, this is not the case. With the exception of a few examples like M.J. Akbar, it is clear that every person who resigned has returned with the same strength. Lal Bahadur Shastri is the most prominent example of this. Whenever public accountability and moral values ??are discussed in Indian politics, his example is cited first. In 1956, when Shastri was the country's Railway Minister, a horrific train accident in Tamil Nadu killed 144 passengers. Shastri resigned from his post, taking full moral responsibility for the accident. However, after the 1957 general elections, Pandit Nehru reinstated him in the cabinet and appointed him Minister of Transport and Communications. He later rose to the position of Prime Minister of India.

Shastri was not the only example of resignation and a strong political comeback. This sequence has been repeated many times in the Indian political landscape. In January 1993, Madhavrao Scindia, who was the Civil Aviation Minister in the P.V. Narasimha government, set a similar example. A plane leased from Russia crashed at Delhi airport during heavy fog. Fortunately, no passengers were killed in the accident. Nevertheless, Scindia immediately took moral responsibility and resigned. Almost two years later, in 1995, he returned to the cabinet with full honor and served as a minister until January 17, 1996. Thus, resignations in Indian politics have often been a means of conveying political messages rather than moral responsibility. Not only Shastri and Scindia, but also T.T. Krishnamachari and Shivraj Patil also show that such resignations often prove to be temporary pauses.

मुरादाबाद में आज रात से डायवर्जन प्लान लागू, दिल्ली-लखनऊ जाने वाले वाहनों का रास्ता बदला

कांवड़ यात्रा के बढ़ते दबाव को देखते हुए बृहस्पतिवार रात से मुरादाबाद की दिल्ली रोड पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर डायवर्जन लागू किया जाएगा। भारी वाहनों को विभिन्न वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा, जबकि फिलहाल छोटे वाहन चलते रहेंगे। कांवड़ियों की संख्या बढ़ने पर हल्के वाहनों का भी रूट बदला जाएगा। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर कांठ रोड के बाद बृहस्पतिवार को दिल्ली रोड पर भी भारी वाहनों का संचालन बंद कर दिया जाएगा।

इसके बाद भारी वाहनों को बदले मार्ग से भेजा जाएगा। अभी चार पहिया और छोटे वाहन चलते रहें। कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने पर इन्हें भी बदले मार्ग से चला जाएगा। पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि दिल्ली रोड पर बृहस्पतिवार की रात से डायवर्जन लागू किया जाएगा। इसके बाद वाहनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा। रूट डायवर्जन का सख्ती से पालन कराने के लिए जगह-जगह पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह का कहना है कि कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

हाईवे और कांवड़ मार्ग वाले थानों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।यह रहेगी डायवर्जन की व्यवस्था- शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन शाहजहांपुर से बदायूं, बबराला, नरौरा और बुलंदशहर के रास्ते भेजे जाएंगे और इसी रास्ते से वापस आएंगे। मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन संभल, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर और हापुड़ होकर दिल्ली जाएंगे और इसी रास्ते से वापस जाएंगे। बरेली और रामपुर से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन बिलारी, सिरसी, संभल, चौधरी सराय और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते निकाले जाएंगे।

मुरादाबाद से मेरठ और दिल्ली जाने वाले वाहन गांगन तिराहा, मनोटा, सिरसी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और हापुड़ होकर जाएंगे और इसी मार्ग से वापस आएंगे। दिल्ली-गाजियाबाद से रामपुर, बरेली और लखनऊ जाने वाले भारी वाहन हापुड़, सिंभावली, डिबाई, नरौरा और बदायूं के रास्ते भेजे जाएंगे और इसी मार्ग से वापस आएंगे।

बिजनौर और हरिद्वार की ओर जाने वाले भारी वाहन काशीपुर तिराहा, ठाकुरद्वारा, जसपुर, अफजलगढ़ और धामपुर होकर जाएंगे और इसी मार्ग से वापस आएंगे। हल्के वाहनों को टीएमयू, अगवानपुर के रास्ते निकाला जाएगा।

डीजीपी के सामने डीएम करेंगे कांवड़यात्रा प्लान का प्रदर्शन- डीजीपी बृहस्पतिवार को बरेली में कांवड़यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसमें डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया डीजीपी के सामने जिले के लिए तैयार कांवड़यात्रा के प्लान का प्रदर्शन करेंगे। बुधवार को अधिकारी इसकी तैयारी में जुटे रहे। बृहस्पतिवार से सावन महीने की शुरुआत हो रही है। इस महीने पश्चिमी यूपी में कांवड़यात्रा निकाली जाती है।

शिवभक्त ब्रजघाट और हरिद्वार से जल लेकर आते हैं। यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने प्लान तैयार किया है। कांवड़यात्रा को लेकर बृहस्पतिवार को ही बरेली में डीजीपी ने समीक्षा बैठक बुलाई है। इस बैठक में डीएम मुरादाबाद जिले के प्लान का प्रजेंटेशन करेंगे।31 जुलाई से रामपुर दोराहा से मिलेगी काशीपुर-रामनगर की बस - कांवड़ यात्रा के दौरान लागू होने वाले यातायात डायवर्जन का असर काशीपुर बस अड्डे के बस संचालन पर भी पड़ेगा। 31 जुलाई से 24 अगस्त तक काशीपुर-रामनगर रूट पर सामान्य दिनों की तुलना में आधी बसें ही संचालित होंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इस अवधि में बसों का संचालन रामपुर दोराहा से किया जाएगा।

काशीपुर बस अड्डा इंचार्ज अमित गुप्ता ने बताया कि सामान्य दिनों में इस मार्ग पर 70 बसें चलती हैं, लेकिन डायवर्जन के कारण अब केवल 35 बसों का संचालन होगा। उन्होंने बताया कि रामपुर दोराहा से काशीपुर-रामनगर के लिए प्रत्येक 30 मिनट के अंतराल पर बस उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रियों को अधिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा समाप्त होने और यातायात व्यवस्था सामान्य होने के बाद 24 अगस्त से काशीपुर बस अड्डे से पहले की तरह सभी 70 बसों का नियमित संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

जौहर यूनिवर्सिटी के रास्तों पर पुलिस- खुफिया एजेंसियों की निगरानी, नेताओं का आना-जाना जारी, हो रही चेकिंग

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर तीन अगस्त तक स्थगनादेश मिलने के बाद छात्रों का आंदोलन स्थगित हो गया है। हालांकि, पुलिस प्रशासन अब भी पूरी तरह सतर्क है। यूनिवर्सिटी के मार्गों पर बैरियर लगाकर वाहनों की जांच की जा रही है। इस बीच सपा के कई नेताओं ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा से मुलाकात कर समर्थन जताया।सपा नेता आजम खां की रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी गेट पर छात्रों का आंदोलन भले ही स्थगित हो गया हो लेकिन पुलिस-प्रशासन अब भी सतर्क है। यूनिवर्सिटी जाने वाले मार्गों पर खुफिया एजेंसियों की निगरानी बनी हुई है। वहीं, राजनीतिक दलों के नेताओं और आजम खां समर्थकों का यूनिवर्सिटी में आना-जाना लगातार जारी है।बुधवार को राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य और पीलीभीत की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष समेत कई नेता यूनिवर्सिटी पहुंचे और आजम खां की पत्नी एवं पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा से मुलाकात कर समर्थन जताया। जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के आदेश पर मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह के न्यायालय ने फिलहाल तीन अगस्त तक स्थगनादेश दे रखा है।इसके बाद धरना स्थगित हो गया है और यूनिवर्सिटी में सामान्य गतिविधियां फिर शुरू होने लगी हैं। छात्र-छात्राओं का आना-जाना भी शुरू हो गया है। साथ ही राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों का यूनिवर्सिटी पहुंचना जारी है। बुधवार को पीलीभीत की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सपा नेत्री आरती महेंद्र, रामप्रताप गंगवार, विनोद वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं के साथ यूनिवर्सिटी पहुंचे।इसके अलावा राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य बेनजीर उमर, अनुराधा चौहान, सोनभद्र से तनवीर खान, सीतापुर से शारिब खां तथा पूर्व मंत्री राधेश्याम चौहान भी यूनिवर्सिटी पहुंचे। स्थानीय सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान, नेता सतनाम सिंह मट्ठू और अमरजीत सिंह भी मौजूद रहे।

दोपहर बाद पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा भी यूनिवर्सिटी पहुंचीं और बाहर से आए नेताओं से मुलाकात की। उधर, पुलिस प्रशासन यूनिवर्सिटी क्षेत्र में सतर्क नजर आ रहा है। यूनिवर्सिटी जाने वाले मार्गों पर कई स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। बाहर से आने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है और कई वाहनों के चालान भी किए गए हैं। यूनिवर्सिटी गेट के बाहर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं तथा गेट पर पुलिस बल भी तैनात है।भड़काऊ वीडियो पोस्ट करने पर एक और मामला दर्ज- जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर सोशल मीडिया पर कथित रूप से भड़काऊ वीडियो प्रसारित करने के मामले में सैदनगर पुलिस ने एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो पोस्ट करने वाले की तलाश में जुटी है। जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए छात्रों ने 10 दिन तक यूनिवर्सिटी गेट पर धरना-प्रदर्शन किया था। धरना समाप्त होने के बाद भी उससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इससे पहले अलीगढ़ में सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हुई झड़प का वीडियो जौहर यूनिवर्सिटी का बताकर वायरल किया गया था, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है, जिसमें कुछ महिलाएं उत्पीड़न का आरोप लगाती और पुलिस से झड़प होती दिखाई दे रही हैं।

आरोप है कि इस वीडियो को जौहर यूनिवर्सिटी का बताकर प्रसारित किया गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई। खौद चौकी प्रभारी चंद्रविक्रम सिंह ने अजीमनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रितु रघुवंशी नाम की आईडी से जौहर यूनिवर्सिटी से संबंधित एक वीडियो प्रसारित किया गया।

आरोप है कि वीडियो के माध्यम से लोगों को उकसाने, पुलिस और प्रशासन के प्रति अविश्वास पैदा करने तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास किया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीओ टांडा पंकज पंत ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। मामले में आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए हर संघर्ष को तैयार है सपा - कुरैशी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सूफियान अली कुरैशी बुधवार को टांडा के रामपुर रोड स्थित कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक चर्चा की तथा जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर सरकार को निशाने पर लिया। सूफियान अली कुरैशी ने कहा कि प्रदेश सरकार बदले की भावना से जौहर यूनिवर्सिटी के पीछे पड़ी हुई है।

समाजवादी पार्टी जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए पूरी ताकत से संघर्ष कर रही है और पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता इसके लिए जी-जान से जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने उत्तराखंड के राज्यपाल रहते हुए उत्तर प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार संभालने के दौरान जौहर यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा प्रदान किया था।बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक रणनीति और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से कहा गया कि वे जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों को प्रमुखता से उठाएं। इस दौरान डॉ. आजम, जहीर जिया, अब्दुल बर समेत बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

264 साल पुराने मुरादाबाद के 84 घंटा मंदिर में उमड़ रही आस्था, सावन सोमवार को सुबह 4 बजे से जानें कब तक होंगे दर्शन

मुरादाबाद के प्राचीन श्री कामेश्वरनाथ बाबा (84 घंटा मंदिर) में सावन के दौरान देशभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि यहां जलाभिषेक और सच्चे मन से की गई पूजा से भगवान शिव भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।सावन में भगवान शिव के दर्शन पूजा के लिए शहर का प्राचीन व प्रसिद्ध श्री कामेश्वरनाथ बाबा (84 घंटा मंदिर) शिव भक्तों की आस्था व भक्ति का केंद्र है। यहां सावन के महीने में स्थानीय ही नहीं दूर दराज के भक्त भी भोलेनाथ का दर्शन पूजन करने आते हैं। मान्यता है कि यहां उनके दर्शन व जलाभिषेक से भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। सावन के महीने में यहां हर दिन यूं तो शिवभक्तों की बड़ी संख्या जुटती है। सावन में हर सोमवार को मंदिर सुबह चार बजे से लेकर रात 10:00 बजे तक लगातार खुला रहेगा। जिससे श्रद्धालु पूरे दिन बाबा का जलाभिषेक और दर्शन कर सकेंगे।मंदिर के पुजारी विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि सावन में हर सोमवार को मंदिर सुबह चार बजे से रात 10:00 बजे तक लगातार खुला रहेगा। जबकि अन्य दिनों में मंदिर का समय सुबह 4:00 बजे से दोपहर 12 बजे तक और फिर शाम को 4:00 से रात 10:00 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि सावन के दौरान बड़ी संख्या में कांवड़ियों और शिवभक्तों के आगमन को देखते हुए दर्शन, जलाभिषेक और पूजा-अर्चना की व्यवस्थाएं की गई हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार को प्रात:कालीन मंगला आरती से लेकर रात्रि आरती तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। ऐसे में मंदिर समिति ने व्यवस्थाओं को सुचारु रखने के लिए स्वयंसेवकों की भी तैनाती की है। बताया कि सावन के सोमवार, महाशिवरात्रि और कांवड़ यात्रा के दौरान 84 घंटा मंदिर में विशेष जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और भव्य आरती की जाती है। मुरादाबाद ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों और दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर गंगाजल अर्पित करते हैं और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। (नागफनी क्षेत्र) स्थित श्री कामेश्वरनाथ बाबा मंदिर मुरादाबाद के सबसे प्राचीन शिवालयों में से एक है। मंदिर की स्थापना लगभग 1762 ईस्वी में मानी जाती है। समय के साथ मंदिर का पुनर्निर्माण एवं विस्तार कराया गया, जिसके बाद इसकी भव्यता और धार्मिक महत्व लगातार बढ़ता गया। मंदिर का वास्तविक नाम श्री कामेश्वरनाथ बाबा मंदिर है, लेकिन यहां एक साथ 84 घंटों को टांगने की परंपरा के कारण यह पूरे देश में 84 घंटा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हो गया। म

संक्षिप्त समाचार

यूपी में जीरो एक्सीडेंट के साथ कांवड़ यात्रा संपन्न कराने की कसरत, चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी ने बरेली-मुरादाबाद मंडल की परखी तैयारियां

कांवड़ यात्रा को लेकर बरेली में हाई लेवल मीटिंग, महिला कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अलर्ट कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए यूपी के शीर्ष अधिकारियों ने बरेली में समीक्षा बैठक की। छ्रत्नक्र राजीव कृष्णा ने स्पष्ट किया कि कांवड़ मार्ग पर मांस की दुकानें बंद रहेंगी, डीजे के मानक तय होंगे और महिला कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम रहेंगे। यूपी के डीजीपी राजीव कृष्णा ने कहा कि कांवड़ में किसी भी कावंड़िए और आमजन को कोई समस्या नहीं आएगी। कांवड़ यात्रा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने व्यवस्थाएं कर ली हैं। पश्चिमी यूपी का ये सबसे बड़ा आयोजन है। करोड़ों कांवड़िए जलाभिषेक के लिए निकलते हैं। वैसे तो यूपी भर में तैयारियां, लेकिन पश्चिमी यूपी में श्रावण मास के तीसरे और चौथे सोमवार को भीड़ अधिक होती है। इसलिए यहां बरेली-मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ बैठक कर, तैयारियों का जायजा लिया गया है। चीफ सेक्रेटरी शशि प्रकाश गोयल और डीजीपी राजीव कृष्णा ने गुरुवार को बरेली में कांवड़ यात्रा की तैयारियां परखने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ये बातें कहीं। डीजीपी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कुछ एक्सीडेंटल जोन चिन्हित किए गए हैं। वहां पुलिस-प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जीरो एक्सीडेंट के साथ कांवड़ यात्रा संपन्न कराई जाए। महिला कांवड़ियों के लिए विशेष व्यवस्था - डीजीपी राजीव कृष्णा ने कहा कि महिला कांवड़ियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मिशन शक्ति टीम सक्रिय रहेगी। उनकी सुरक्षा को लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। कांवड़ियों को कोई समस्या नहीं आए। पुलिस-प्रशासन की टीमें नजर रखेंगी। संसाधन-सक्रियता से कम होते हादसे - डीजीपी राजीव कृष्णा ने कहा कि जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य के साथ कांवड़ यात्रा संपन्न कराने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि पिछले दशकों की अपेक्षा में हादसे घटे हैं। इसलिए भी क्योंकि पहले से इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। दुर्घटनाओं की स्थिति में पुलिस-प्रशासन की सक्रियता देखने को मिलती है। अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई - डीजीपी ने स्पष्ट किया कि सावन में अराजकता फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीजे को लेकर कहा कि इस संबंध में डीजे संचालकों के साथ संवाद किया जा चुका है। निर्धारित मानकों के मुताबिक ही आवाज रहेगी। कांवड़ यात्रा के साइज भी निर्धारित किए गए हैं। बंद रहेंगी मांस की दुकानें - कांवड़ यात्रा मार्गों के आसपास मांस की दुकानें बंद रहेंगी। डीजीपी ने कहा कि इस संबंध में पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं। कांवड़ यात्रा व्यवस्थित तरीके से संपन्न होगी।

नैनीताल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, किसान की मौत, भतीजा गंभीर घायल

रामपुर के बिलासपुर क्षेत्र में रुद्र-बिलास चीनी मिल के पास देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार सूरजपाल की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद भतीजा घायल हो गया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के बिलासपुर क्षेत्र में नैनीताल हाईवे पर बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठा भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, बदायूं जिले की बिसौली तहसील के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सीकरी गांव निवासी सूरजपाल उत्तराखंड के रुद्रपुर से बाइक पर अपने घर लौट रहे थे। उनके साथ रुद्रपुर के रम्पुरा निवासी उनके ममेरे भाई का बेटा हिमांशु भी सवार था।रात करीब 10 बजे रुद्र-बिलास चीनी मिल के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फतेहगंज पश्चिमी थाने की जमीन का प्रस्ताव नलकूप विभाग ने खारिज किया, भाजपा नेता करेंगे पैरवी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।थाना भवन के निर्माण को लेकर चिन्हित की गई सिंचाई विभाग की जमीन के स्थानांतरण में अड़चन आ गई है। नलकूप विभाग के अधिशासी अभियंता ने डीएम और एसएसपी की संस्तुति वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

• फोटो आशीष अग्रवाल

नगर से एक किमी दूर रबड़ फैक्ट्री परिसर में बने जर्जर थाना भवन को कस्बे के अंदर शिफ्ट करने के लिए रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस स्टेशन के पास सिंचाई विभाग की 5489.45 वर्ग मीटर जमीन चिन्हित की गई थी। नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष और भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने 2 साल पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रस्ताव सौंपा था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्रा ने निरीक्षण कर डीएम-एसएसपी की संस्तुति कराकर 5 अप्रैल 2025 को प्रमुख सचिव सिंचाई को पत्रावली भेजी थी।

लेकिन नलकूप खंड द्वितीय के एक्सईएन ने बताया कि 1.018 हेक्टेयर में से 0.40 हेक्टेयर भूमि जून 2021 में रोडवेज बस स्टैंड के लिए परिवहन विभाग को दी जा चुकी है। शेष भूमि नलकूप विभाग के भंडार या निरीक्षण भवन के लिए प्रस्तावित है। इसी कारण थाना भवन के लिए जमीन देने में असमर्थता जताते हुए प्रस्ताव खारिज कर दिया।

भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने कहा कि बरेली में नलकूप विभाग के पास पर्याप्त जमीन है।जबकि पुलिस कर्मियों के आवास व कार्यालय के लिए यहां जमीन जरूरी है। उन्होंने जल्द लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मिलकर फिर पैरवी करने का दावा किया है।

प्रभा टॉकीज में लगी भीषण आग

दमकल विभाग ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

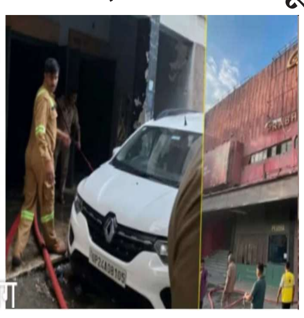

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पॉश इलाके रामपुर गार्डन से सटे प्रभा सिनेमा में बृहस्पतिवार तड़के एक भीषण अग्निकांड हो गया। सिनेमा हॉल के अंदर अचानक लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दमकल की तीन गाड़ियों की मदद से करीब तीन घंटे 11 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। गनीमत यह रही कि घटना के वक्त सिनेमा हॉल बंद था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया

बरेली में हुईं रहस्यमय तेज धमाके की आवाज, घरों के खिड़की-दरवाजे हिले

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बृहस्पतिवार को सुबह दो बार रहस्यमय धमाके की आवाज से पूरा शहर हिल गया। लोगों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी।

आवाज इतनी तेज थी कि मकानों के खिड़की-दरवाजे तक हिल गए। इसके बाद 10ः10 बजे फिर तेज आवाज हुई। यह आवाज कहां से आई, इस पर कयासों का दौर शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लोग फोन पर एक-दूसरे से जानकारी करने लगे। हालांकि स्पष्ट वजह पता नहीं चल सकी। पिछले साल दो अगस्त को इसी तरह की आवाज आई थी। तब जानकारों से इसे सोनिक बूम बताया था।

शहर समेत आसपास के कस्बों में भी तेज आवाज सुनी गई। हाफिजगंज कस्बा में करीब 10ः10 बजे अचानक आसमान से तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई देने पर अफरा-तफरी मच गई।

आवाज इतनी तेज थी कि कई दुकानों के शटर और घरों के दरवाजे तक थरथरा उठे। तेज आवाज सुनते ही लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए और आसमान की ओर देखने लगे कि आखिर यह आवाज किस वजह से आई।

बरकरार रहा असमंजस - स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ देर तक पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा। लोग तरह-तरह के कयास लगाते रहे। शहर के सुभाष नगर, इज्जतनगर, बारादरी, किला, प्रेमनगर, श्यामगंज, रामपुर गार्डन, रामगंगानगर कॉलोनी आदि इलाकों में लोगों ने धमाके की आवाज सुनी। यह आवाज कहां से आई, इस पर असमंजस रहा।

कोविड-19 के दौरान 108 बच्चों का सहारा बनी जिला बाल संरक्षण इकाई

क्यूँ न लिखूँ सच / उत्तर प्रदेश में कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों के उनके भरण-पोषण, शिक्षा, चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से महिला कल्याण विभाग के अन्तर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना कोविड का प्रारम्भ किया गया था, जिसके अन्तर्गत 135 बच्चों को जिनकी उम्र 0 से 18 वर्ष तथा जिनके माता या पिता अथवा दोनों की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से हो गई थी। ऐसे बच्चों को रु0 4000 प्रति माह दिया जाता है। ऐसे बच्चे जो पूर्णतया अनाथ हो गए हो एवं बाल कल्याण समिति के आदेश से विभाग के अंतर्गत संचालित बाल्य देखभाल संस्थाओं में आवासित कराया गया। 11 से 18 तक की आयु के बच्चों की शिक्षा-12 तक की निः शुल्क शिक्षा हेतु अटल आवासीय विद्यालयों तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश कराया गया तथा उपरोक्त श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले 52 लाभा छात्र/छात्राओं को कक्षा 9 या इससे ऊपर की कक्षा में अथवा व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 18 वर्ष तक के बच्चों को टेबल लैंप की सुविधा विभाग द्वारा उपलब्ध गयी है। योजना के अन्तर्गत बालक/बालिकाओं के लालन-पालन स्वास्थ्य व शिक्षा को वेहतर बनाये जाने हेतु योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। महिला कल्याण विभाग द्वारा जनपद की त्रैमासिक बैठक में जनपद बदायूँ के विभिन्न क्षेत्रों मे योजना का लाभ प्राप्त कर रहे लाभार्थियो का फॉलोअप जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा किया जाता है तथा बच्चों की काउन्सलिंग कर बेहतर की जॉनकारी प्रदान की जा रही है, जिससे कारण जनपद के बहुत से लाभार्थियों द्वारा अलग.अलग राज्यों में विभिन्न विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है।

कांवड़ यात्रा में न आए कोई बाधा अफवाह फैलाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई - डीजीपी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल और डीजीपी राजीव कृष्ण ने बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में मंडलीय समीक्षा बैठक में कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में नौ जिलो के अधिकारियों ने भाग लिया। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को तीसरे व चौथे सोमवार पर विशेष रूप से चौकसी बरतने के निर्देश दिए। डीजीपी ने कांवड़ रूट पर मांस मदिरा प्रतिबंधित रखने के लिए कहा है और साफ सफाई रखने के निर्देश दिए। डीजीपी ने अफवाह फैलाने पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के लिए कहा है। कोई घटना होने पर क्यूआरटी टीम त्वरित कार्यवाही करेंगी। डीजे की आवाज और साइज के लिए डीजे संचालको से वार्ता कर निर्धारित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपस में समन्वय स्थापित करने को कहा। मुख्य सचिव ने प्रेस कान्फ्रेंस में गंगा एक्सप्रेसवे का भी जिक्र किया। शांति से कांवड़ यात्रा पूरी कराने के लिए सरकारी विभागों को निर्देश दिए हैं।

बैठक में नौ जिलों के अफसर रहे मौजूद मुख्य सचिव एसपी गोयल और डीजीपी राजीव कृष्ण सुबह करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन मैदान में उतरे। इसके बाद वे सीधे कार से सर्किट हाउस पहुंचे। समीक्षा बैठक में बरेली और मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी मौजूद रहे। साथ ही बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, रामपुर और संभल जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी शामिल हुए। जिला प्रशासन ने कांवड़ यात्रा व सावन की तैयारियों के लिए बुकलेट तैयार किया गया है। इसे दोनों अधिकारियों के सामने प्रस्तुत किया गया।

बरेली से शुरू हुआ घर-घर गंगाजल अभियान, 10 हजार परिवारों तक पहुंचेगा गंगाजल, श्रावण में आस्था और जनसेवा का अनूठा संगम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास में भगवान शिव के भक्तों के लिए बरेली से एक खास पहल की शुरुआत हुई है। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडे के नेतृत्व में घर-घर गंगाजल अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत पहले चरण में 1000 गंगाजली श्रद्धालुओं को वितरित की गईं। बदायूं रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि पुष्पा पांडे ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य 10 हजार परिवारों तक गंगाजल पहुंचाकर प्रत्येक श्रद्धालु को श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करने का अवसर देना है। कार्यक्रम में आर्यपुत्री इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री सुभाषनी जायसवाल ने इस पहल को धार्मिक आस्था और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से अभियान से जुड़ने की अपील की।कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी घर-घर गंगाजल अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाली प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम का संचालन संतोष पांडे ने किया। इस अवसर पर चंचल गंगवार, रिंकी सैनी, शारीन, मोहित शर्मा, आशुतोष शर्मा, संजय वर्मा, रंजन सिंह, प्रतीक्षा सक्सेना, नंदा राणा, इंदु सिंघानिया, पूनम भल्ला, बंटी ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बरेली में ट्रैफिक पुलिस का मेगा प्लान, आठ प्रमुख स्थानों पर डायवर्जन लागू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बरेली यातायात पुलिस ने जनपद में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन योजना लागू कर दी है। 31 जुलाई से 24 अगस्त 2026 तक प्रभावी इस व्यवस्था के तहत आठ प्रमुख स्थानों पर वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा, ताकि कांवड़ श्रद्धालुओं को निर्बाध आवागमन मिल सके और आमजन को भी न्यूनतम असुविधा हो।

यातायात व्यवस्था के अनुसार झुमका तिराहा (परसाखेड़ा), बिलवा चौराहा, विलयधाम चौराहा, शाहजहांपुर रोड प्रवेश, फतेहगंज पूर्वी, रामगंगा से बदायूं रोड, आंवला चौराहा तथा शाहाबाद चौराहा एवं कुंवरगांव चौराहा प्रमुख डायवर्जन प्वाइंट बनाए गए हैं। इन स्थानों पर भारी वाहनों तथा निर्धारित श्रेणी के अन्य वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा।

योजना के तहत रामपुर, नैनीताल, पीलीभीत, शाहजहांपुर, आंवला, बदायूं और शाहाबाद की ओर से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। वहीं शुक्रवार रात्रि 12ः00 बजे से सोमवार रात्रि 12ः00 बजे तक रामगंगा-बदायूं मार्ग पर छोटे वाहनों के आवागमन पर भी विशेष प्रतिबंध लागू रहेगा।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले डायवर्जन रूट की जानकारी प्राप्त करें, बिना कारण डायवर्जन मार्ग अवरुद्ध न करें तथा यातायात नियमों का पालन करें। किसी भी सहायता के लिए यातायात हेल्पलाइन 9760160112 पर संपर्क किया जा सकता है ।

यातायात पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस के दिशा-निर्देशों का पालन करें, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिजली बिल में जोड़े एरियर निरस्ती के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आइस फैक्ट्री के बिजली बिल में जोड़े गए एरियर को स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष कालीचरण और सदस्य संजीव कुमार गौतम और अनीता यादव ने निरस्त करने के आदेश दिये हैं। स्थायी लोक अदालत ने बिजली विभाग को खर्चा मुकदमा दस हजार रूपये भी देने के आदेश दिये हैं। चांद रानी आइस फैक्ट्री के पार्टनर हरीश धवन ने स्थायी लोक अदालत में मुख्य अभियंता और अधिशासी अभियंता के खिलाफ केस दायर किया था। आरोप था कि वह अपनी आइस फैक्ट्री का बिल समय से जमा कर रहे थे।4 मार्च 2024 को 3 लाख 93 हजार 604 रूपये का बिल भेजा। जिसमें पुराना बिल भी जोड़ दिया गया। जिसे ऑफिस वालो ने भी सही नहीं किया। चेक मीटर लगवाने पर उनका पुराना मीटर 75 यूनिट तेज चलता पाया गया था। परेशान होकर हरीश धवन ने स्थायी लोक अदालत में केस दायर किया था।

बरेली कॉलेज के अस्थाई कर्मचारियों ने 14 अगस्त से भूख हड़ताल की दी चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली कॉलेज के अस्थाई कर्मचारियों ने कर्मचारी कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर अपनी विभिन्न मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में कर्मचारियों ने तीन प्रमुख मांगें उठाईं। पहली मांग के तहत बरेली कॉलेज को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की बात कही गई। दूसरी मांग में कॉलेज में वर्षों से कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों का विनियमितीकरण अथवा रिक्त पदों पर समायोजन करने की मांग रखी गई। वहीं तीसरी मांग के रूप में कार्यालय उपश्रमायुक्त, बरेली मंडल के सहायक श्रमायुक्त बाल गोविंद द्वारा 17 जुलाई 2026 को जारी पत्रांक 5332/33/क्र2026 के आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की गई। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिससे उनमें असंतोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने सरकार और कॉलेज प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है।

माटीकला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, योजनाओं की दी गई जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ज बदायूं माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा

के अंतर्गत ग्राम शेखूपुर, विकास खण्ड उझानी में एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संदीप कुमार ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, माटीकला टूलकिट वितरण योजना, माटीकला सहकारी समिति योजना, पुरस्कार योजना सहित विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा पात्र कारीगरों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की गई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान शेखूपुर कुंवरसेन ने अपने विचार व्यक्त किए। जनपद कासगंज से आए अतिथि महेश प्रजापति ने भी उपस्थित लोगों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

जायरीन आला हज़रत के मेहमान, मेज़बानी में न रहे कोई कमी:अहसन मियां।

क्यूँ न लिखूँ सच / दरगाह पर लगा स्वास्थ्य शिविर में 247 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां वितरित की गई। बरेली,दरगाह आला हज़रत पर आज उर्स-ए-रज़वी के मौके पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें डॉक्टरों द्वारा 247 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण कर मुफ्त दवाइयाँ वितरित की गई। 73 लोगों की मुफ्त ईसीजी,46 लोगों की शुगर को जांच की गई। सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की सरपरस्ती में लगे शिविर का उद्घघाटन रज़ा मस्जिद के इमाम मुफ्ती ज़ईम रज़ा ने दुआ के साथ किया। उधर उर्स के सम्बद्ध में दरगाह सरपरस्त हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान(सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती व सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की सदारत में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें तैयारियों को परखा गया।

दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि शिविर में श्री गांगा चरण आर्यवर्धन अस्पताल के न्यूरो सर्जन डॉक्टर शकील अहमद(दिमाग,नस व रीढ़ रोग विशेषज्ञ),फिजिशियन डॉक्टर मोहम्मद अकीक व डॉक्टर रियाज़ अहमद ने सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां दी। जिन लोगों की ईसीजी और शुगर जांच में बीमारी निकली उनको उचित खानपान और दिनचर्या के बारे में बताया। शिविर में उपनीत झा,अमित शंखधार,जावेद खान,शाहिद नूरी,परवेज़ नूरी,मुजाहिद बेग,अश्मीर रज़ा,मंज़ूर रज़ा आदि का सहयोग रहा। शिविर दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चला। मगरिब बाद उर्स की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने कहा कि दुनिया भर से आने वाले जायरीन हमारे मेहमान है। इनकी मेज़बानी में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। 05 अगस्त तक सभी काम वक्त पर करा लिए जाए। लंगर कमेटियों व वालंटियर्स ने उर्स को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मुफ्ती अकिल रज़्वी,मुफ्ती सलीम नूरी,मुफ्ती सय्यद कफील हाशमी,मुफ्ती अय्यूब नूरी,ओरंगजेब नूरी,अजमल नूरी,ताहिर अल्वी,इशरत नूरी,हाजी अब्बास नूरी,अब्दुल माजिद आदि ने अपने सुझाव रखे। इस मौके पर शान रज़ा,मुजाहिद रज़ा,फारूक खान,अतीक खान,तारिक सईद,आलेनबी, सय्यद माजिद अली,सय्यद एजाज़,अज़ीम खान,वसीम रज़ा,हाजी जमील अहमद,हसीन खान,गौहर खान,युनुस गद्दी,इरशाद रज़ा,काशिफ रज़ा,मुस्तकीम रज़ा,समी रज़ा,अजमल रज़ा,हाजी शरिक नूरी,अशफ़ाक़ रज़ा,इफ्तेखार रज़ा,सबलू रज़ा,ज़ोहेब रज़ा,आरिफ रज़ा,सुहैल रज़ा,साजिद रज़ा,नईम रज़ा,शाद रज़ा,साकिब रज़ा,अरवाज रज़ा, रोमान खान,सऊद रज़ा,आदिल रज़ा,खालिद नूरी,हाजी फय्याज रज़ा,तनवीर रज़ा आदि लोग शामिल रहे।

45 हजार के लेनदेन के विवाद में चली गोली, दो लोग घायल; एक जिला अस्पताल में भर्ती, दूसरा लखनऊ रेफर

सीतापुर में 45 हजार के लेनदेन के विवाद में गोली चल गई। इसमें दो लोग घायल हो गए। एक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, तो दूसरा लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।यूपी के सीतापुर में बुधवार को लेनदेन को लेकर हुए विवाद में गोली चल गई। इसमें दो लोग जख्मी हो गए। एक गोली से महोली में युवक घायल हुआ, तो दूसरी गोली से उसका रिश्तेदार शहर के चुंगी चौराहे के पास घायल हुआ। पुलिस ने प्रधान पति समेत पांच नामजद व अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज करके दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

विवाद महोली क्षेत्र के उरदौली बाजार से शुरू हुआ, जो शहर के मंडी चौकी तक आ पहुंचा। पुलिस के अनुसार, कुसैला निवासी श्रीराम वर्मा महाजन व उरदौली निवासी मीट व्यापारी आरिफ के बीच उधारी को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। बुधवार देर रात इसी को लेकर पंचायत भवन के पास बैठक हुई। सुलझने की जगह मामला और उलझने लगा।आरोपियों ने तीन राउंड फायरिंग की

इस बीच श्रीराम वर्मा के साथ आए लोगों ने तीन राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली पास की दुकान पर खड़े गजपतिपुर निवासी बबलू (30) के पैर में लग गई। मौका पाकर गोली चलाने वाले वहां से भाग खड़े हुए।जानकारी होते ही बबलू के परिजनों ने फोन से अपने रिश्तेदार रामकोट के करतारपुर गांव निवासी शाबान (18) को बाइक से जा रहे युवकों को रोकने की बात कही। शाबान बाइक सवारों का पीछा करते हुए शहर के चुंगी चौराहे के पास पहुंच गए। वहां उन्होंने युवकों को रोकने का प्रयास किया तो युवकों ने शाबान पर गोली चला दी। गोली शाबान की कमर में जा लगी। वह अचेत होकर गिर गए। बाइक सवार मौके से भाग गए। घायल शाबान को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां से चिकित्सकों ने लखनऊ रेफर कर दिया। बबूल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

45 हजार रुपये को लेकर हो रहा था विवाद- बबलू के पिता यूनुस की तहरीर पर उरदौली के प्रधान पति शेर सिंह नीरज, अवनीश, प्रवीण, श्रीराम व रूपचंद्र पर हत्या के प्रयास की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

शहर में हुई घटना का जिक्र भी तहरीर में है। इसलिए, महोली पुलिस ही दोनों जगह विवेचना करेगी।

जांच में यह निकलकर सामने आया है कि 45 हजार रुपये को लेकर विवाद था। आरिफ का कहना रहा कि वह रुपये दे चुका है। वहीं श्रीराम का कहना है कि उसे रुपये नहीं मिले हैं। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। बबलू भी हिस्ट्रीशीटर है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्ट्रेट में शुरू हुआ हेल्थ एटीएम, अब जनसुनवाई के साथ होगी मुफ्त स्वास्थ्य जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली । आमजन की सुविधा के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में हेल्थ एटीएम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने फीता

काटकर इस नई स्वास्थ्य सेवा की शुरुआत की। अब जनसुनवाई में आने वाले लोग ब्लड प्रेशर, शुगर, ऑक्सीजन लेवल, पल्स रेट, तापमान, वजन और BMI जैसी जरूरी जांच मौके पर ही करा सकेंगे। सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लैब टेक्नीशियन भी उपलब्ध रहेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य समस्याओं के समाधान के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना है। उद्घाटन के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा की तेज धारा में बहे 220 केवी लाइन के दो टावर, मेरठ-नहटौर ट्रांसमिशन लाइन बाधित; करोड़ों का नुकसान

मेरठ के शेरपुर नई बस्ती के निकट हाईटेंशन लाइन के दो टावर बह गए। एहतियात के तौर पर दौराला के मटौर ग्रिड से

बिजनौर के नहटौर तक जाने वाली ट्रांसमिशन लाइन को बंद कर दिया गया है।गंगा के बढ़ते जलस्तर और तेज कटान ने बृहस्पतिवार को पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी बड़ा नुकसान पहुंचाया।

शेरपुर नई बस्ती के समीप गंगा की धारा में 220 केवी हाईटेंशन लाइन के दो टावर बह गए, जबकि दोनों ओर खड़े एक-एक टावर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद एहतियात के तौर पर दौराला के मटौर ग्रिड से बिजनौर के नहटौर तक जाने वाली ट्रांसमिशन लाइन को तत्काल बंद कर दिया गया। इससे करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। मेरठ के दौराला क्षेत्र स्थित मटौर पावर ग्रिड से बिजनौर के नहटौर स्थित 220 केवी उपकेंद्र तक हाईटेंशन लाइन जाती है। यह लाइन हस्तिनापुर क्षेत्र के कई गांवों से होकर शेरपुर नई बस्ती के पास गंगा नदी को पार करती है। नदी के बीच इस लाइन के कई टावर स्थापित हैं।

पिछले दो वर्षों से गंगा के लगातार कटान के कारण एक टावर नदी की मुख्य धारा के बीच आ गया था। बृहस्पतिवार सुबह जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव के चलते पहले एक टावर नदी में समा गया। इसके कुछ ही देर बाद दूसरा टावर भी धारा में बह गया।

आसपास के दो अन्य टावर भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे ट्रांसमिशन लाइन पूरी तरह प्रभावित हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पावर ट्रांसमिशन निगम के अधिकारियों ने लाइन को बंद कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। तकनीकी टीम ने मौके का निरीक्षण कर क्षति का आकलन शुरू कर दिया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार टावरों के बहने और क्षतिग्रस्त होने से विभाग को करोड़ों रुपये की क्षति हुई है।वैकल्पिक व्यवस्था से जारी रहेगी बिजली आपूर्ति-नहटौर ट्रांसमिशन के अवर अभियंता रोहित तोमर ने बताया कि मटौर स्थित 765 केवीए (ग्रिड) स्टेशन से नहटौर 220 केवी स्टेशन को जाने वाली लाइन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है।

हालांकि नहटौर, हल्दौर और बसावतपुर सहित नौ बिजलीघरों को आपूर्ति आपूर्ति की जा रही थी, जिसकी आपूर्ति प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। अमरोहा और बिजनौर के अन्य ट्रांसमिशन स्टेशनों से वैकल्पिक व्यवस्था कर बिजली आपूर्ति सुचारू रखी गई है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त टावरों की मरम्मत और लाइन को दोबारा चालू कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

कातिल टीचर: कभी आईएएस बनने का सपना, अब अपराधों की फाइलों में दर्ज नाम; वैभव के हत्यारे की इसलिए बदल गई राह

गोरखपुर के वैभव हत्याकांड में मुख्य आरोपी पहले भी जेल जा चुका था। आरोपी टीईटी साल्वर गिरोह में फंसा था। प्रयागराज में 2022 में साल्वर गिरोह पकड़ा गया था। 36 लाख के कर्ज और संदिग्ध संपर्कों की पड़ताल पुलिस कर रही है।कभी प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना देखने वाला सर्वेश कुमार भट्ट उर्फ बिट्टू अब अपराध के गंभीर आरोपों में घिरा है। जिस हाथ में कभी किताबें थीं, उसी नाम पर अब पुलिस की केस डायरी तैयार हो रही है। मासूम वैभव हत्याकांड में मुख्य आरोपी बने सर्वेश का अतीत खंगालने पर सामने आया कि वह पहले भी कानून के शिकंजे में आ चुका है। वर्ष 2022 में प्रयागराज में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के साल्वर गिरोह से जुड़े होने के आरोप में सर्वेश की गिरफ्तारी हुई थी।

आरोप है कि वह फर्जी दस्तावेजों के सहारे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने की तैयारी में था। जेल से बाहर आने के बाद भी वह अपनी जिंदगी को अपराध से दूर नहीं रख सका और अब हत्या जैसे संगीन मामले में पुलिस जांच का केंद्र बन गया है।पुलिस के अनुसार, सर्वेश पढ़ाई में तेज था। वर्ष 2008 में उसने गोरखपुर स्थित स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एडवांस डिप्लोमा इन कंप्यूटर एजुकेशन किया था। इसके बाद उसने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की और आईएएस बनने का लक्ष्य तय किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। वर्ष 2010 में उसने अपने बड़े भाई सतीश भट्ट के नाम से सुदर्शन सेवा शिक्षा संस्थान के नाम पर एक फर्म भी शुरू कराई थी। जांच एजेंसियां अब इस फर्म की गतिविधियों, पंजीकरण और आर्थिक लेनदेन की जानकारी जुटा रही हैं।

बताया जा रहा है कि फर्म में परिवार के सदस्य निदेशक और सदस्य रहे हैं।कर्ज का दबाव और गलत संगत ने बदली राह- पुलिस जांच में सामने आया है कि आर्थिक परेशानियां भी बढ़ती चली गईं। शादी के लिए करीब 13 लाख रुपये का कर्ज लिया गया।

इसके बाद कंप्यूटर कोचिंग सेंटर खोलने के लिए करीब 23 लाख रुपये का ऋण लिया गया। करीब 36 लाख रुपये के कर्ज के बीच सर्वेश कोचिंग पढ़ाने लगा।इसी दौरान उसकी संगत ऐसे लोगों से हुई, जिनके संपर्क ने उसे टीईटी साल्वर गिरोह तक पहुंचा दिया। प्रतियोगी परीक्षा पास कर सरकारी अधिकारी बनने का सपना देखने वाला सर्वेश खुद परीक्षा में फर्जीवाड़े के आरोपों में फंस गया।प्रयागराज में एसओजी ने खोला था साल्वर गिरोह का खेल

23 जनवरी 2022 को प्रयागराज के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में एसओजी ने शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान सक्रिय साल्वर गिरोह का पर्दाफाश किया था। कार्रवाई में 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें सर्वेश भी शामिल था। पुलिस के मुताबिक, सर्वेश अभ्यर्थी के स्थान पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर परीक्षा देने की तैयारी में था। पूछताछ में उसने लेखपाल राहुल यादव के कहने पर गिरोह से जुड़ने की बात बताई थी।पुलिस के अनुसार, परीक्षा दिलाने के एवज में उसे पांच हजार रुपये एडवांस मिले थे। जांच में यह भी सामने आया था कि वह गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ अभ्यर्थियों के आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहा था। इस मामले में जेल जाने के बाद उसका प्रशासनिक सेवा में जाने का सपना पूरी तरह खत्म हो गया।अब मासूम वैभव हत्याकांड में भेजा गया जेल- टीईटी साल्वर मामले के बाद अब सर्वेश का नाम वैभव हत्याकांड से जुड़ा है। एक मासूम की हत्या के आरोप ने उसके पुराने मामलों को फिर से जांच के केंद्र में ला दिया है। पुलिस उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड, संपर्कों, वित्तीय लेनदेन और गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि अपराध की इस घटना के पीछे कौन-कौन से कारण और कड़ियां जुड़ी हैं।आरोपी सर्वेश भट्ट के आपराधिक और आर्थिक पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और पूर्व मामलों से जुड़े तथ्यों को भी जांच में शामिल किया गया है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।- दिनेश पुरी, एसपी साउथमासूम की अपहरण के बाद हत्या- गोरखपुर के खजनी कस्बे के सराफा कारोबारी हनुमान वर्मा के 10 वर्षीय बेटे वैभव वर्मा के अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद साइकिल लेकर घर से निकला बालक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया था। करीब 24 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले आरोपी कंप्यूटर शिक्षक सर्वेश भट्ट को गिरफ्तार कर उसके घर के बेसमेंट से वैभव का शव बरामद किया। घटना के बाद लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने मुख्य मार्ग जाम कर खजनी थाने का घेराव किया और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के सराफा कारोबारी का सबसे छोटा बेटा वैभव सोमवार दोपहर करीब दो बजे स्कूल से घर लौटा था। उसने स्कूल बैग रखा, यूनिफॉर्म बदली और नई साइकिल लेकर घर से निकल गया। कुछ देर बाद उसकी साइकिल लावारिस हालत में मिली, जबकि पास के खेत में उसकी एक चप्पल बरामद हुई। इसके बाद परिजन ने पुलिस को सूचना दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर वैभव के पीछे पड़ोस में रहने वाला कंप्यूटर शिक्षक सर्वेश भट्ट जाता दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस ने मंगलवार दोपहर सर्वेश के घर की तलाशी ली। इस दौरान उसके मकान के बेसमेंट से बालक का शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हत्या के कारण और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।बच्चे का शव मिलने की सूचना फैलते ही खजनी कस्बे में भीड़ जुट गई। आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने खजनी-सिकरीगंज और खजनी-मल्हनपार मार्ग जाम कर दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग खजनी थाने पहुंच गए और घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के एनकाउंटर, उसके मकान पर बुलडोजर चलाने और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कठोर सजा दिलाने की मांग की।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, डीएम दीपक मीणा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की। भीड़ के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने आरोपी और उसके परिवार को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। एहतियातन आसपास के थानों से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। देर तक चली बातचीत और अधिकारियों के आश्वासन के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण, सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम का किया अवलोकन, निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रखने के दिए निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद मुख्यालय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस (प्रथम एवं द्वितीय) का प्रस्तावित मासिक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा, अभिलेखों के संधारण तथा निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव की व्यवस्थाओं का गहनता से परीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम लॉग-बुक का अवलोकन करते हुए अपनी निरीक्षण टिप्पणी भी अंकित की। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष में स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम का निरीक्षण कर वेयरहाउस की चौबीसों घंटे निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तलहा मज़हर, ईवीएम सहायक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नदीगांव में युवती ने फांसी लगाई मौके पर ही मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। कोंच सर्किल के थाना नदीगांव में आज एक युवती ने फांसी लगाई है जिसकी मौके पर ही मौत हो गई है मिली जानकारी में निवासी एक विवाहित युवती खुशबू उम्र 22 साल पत्नी आरिफ पुत्र भूरे निवासी डकोर पुत्री इशाख खान लउ मोहल्ला शीशगर नदीगांव ने करीब चार बजें के लगभग कमरे में लगे पंखे में साड़ी का फंदा बना कर फांसी लगा कर जीवन लीला समाप्त कर ली है इस घटना की घर वालों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद सी ओ कोंच परमेश्वर प्रसाद नदीगांव प्रभारी राजकुमार चौधरी दरोगा

सुनील कुमार सैनी पुलिस फ़ोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और बारीकी से जाँच पड़ताल कर निरीक्षण किया और शव की फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर और साक्ष्य एकत्रित किये इस घटना के संबंध में थाना प्रभारी राजकुमार चौधरी ने कहा कि आत्महत्या का पता नहीं चल पा रहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल सकेगा कि आत्महत्या किस वजह से की है शव को पोस्टमार्टम के लिया भेज दिया गया है।

बस में फिल्मी अंदाज में चोरी, चार शातिरों ने 9.50 किलो चांदी के पायल किए पार; वारदात सीसीटीवी में कैद

बाराबंकी में निजी बस से 9.50 किलो के चांदी के पायल चोरी कर लिए गए।

वारदात बस में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। व्यापारी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है।यूपी के बाराबंकी में चार शातिरों ने निजी बस से करीब 9.50 किलो चांदी के पायल पार कर दिए। पूरी वारदात बस में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

व्यापारी के अनुसार, चांदी के पायल में 40 फीसदी शुद्ध चांदी थी। करीब छह लाख का नुकसान हुआ है।

बताया गया कि सराफा फर्म के दो कर्मचारी आगरा से माल लेकर गोरखपुर जा रहे थे। गोरखपुर पहुंचने पर घटना का पता चला।

सराफा व्यवसायी ने बृहस्पतिवार को रामसनेहीघाट कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। देवेश होटल के पास रुकी थी बस-

आगरा के रामबाग जमुना ब्रिज के निवासी सराफा व्यवसायी कृष्ण कुमार खंडेलवाल ने बताया कि उनकी फर्म के कर्मचारी आगरा के ही रहने वाले राहुल सिंह और मंयक खंडेलवाल 26 जुलाई को सात डिब्बों में चांदी के पायल रखकर निजी बस से गोरखपुर जा रहे थे।

रास्ते में 05 बजकर 40 मिनट पर बस रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के देवेश होटल के पास रुकी। यहां पर 05 बजकर 45 मिनट पर कार से चार लोग आए। दो 47 मिनट बाद चारों बस में चढ़ गए। इनमें से दो लोग कर्मचारियों के सामने खड़े हो गए। जबकि, शेष दो ने सीट के नीचे रखे बैग से चांदी के पायल वाले चार डिब्बे पार कर दिए। गोरखपुर पहुंचने पर कर्मचारियों ने बैग की जांच की तो चार डिब्बे गायब मिले। यह देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल सराफा व्यवसायी को सूचना दी।पूरी वारदात सीसीटीवी में रिकॉर्ड मिली

व्यवसायी ने बस मालिक से संपर्क किया। जानकारी मिली कि संबंधित बस 27 जुलाई को दिल्ली पहुंचेगी। सराफा व्यवसायी ने दिल्ली पहुंचकर बस की जांच कराई। बस में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने पर पूरी वारदात रिकॉर्ड मिली। फुटेज में चार संदिग्ध व्यक्ति बैग से डिब्बे निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इसके बाद व्यवसायी आगरा से बाराबंकी पहुंचे। रामसनेहीघाट कोतवाली में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करके कार्रवाई की मांग की। सीओ रामसनेहीघाट सौरभ श्रीवास्तव का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करके जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा। एक कैमरे में लगाई क्रीम, दूसरा जान नहीं पाए शातिर- सराफा व्यवसायी कृष्ण कुमार खंडेलवाल ने बताया कि उनके कर्मचारियों ने बताया कि सीसीटीवी में चारों आरोपियों की फोटो कैद हुई है। बस में दो कैमरे लगे थे। उस पर चढ़ते ही गेट के पास वाले कैमरे में एक ने कोई क्रीम लगा दी, ताकि उनके चेहरे कैमरे में न आ सकें। लेकिन, बस के अंदर एक और कैमरा लगा था, जिसमें वारदात कैद हो गई। इसमें सभी के चेहरे साफ आ रहे हैं।

महुली के सरकारी स्कूल में रहस्यमयी खुजली का कहर: बच्चे और शिक्षक एक सप्ताह से परेशान, कई विद्यार्थियों ने स्कूल आना छोड़ा

स्वास्थ्य विभाग की टीम नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी, स्कूल परिसर में स्प्रे और चिकित्सकीय जांच की उठी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी-बिहारपुर (सूरजपुर)। जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महुली स्थित शासकीय माध्यमिक शाला इन दिनों एक रहस्यमयी खुजली की समस्या से जूझ रही है। पिछले एक सप्ताह से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों के शरीर पर अचानक तेज खुजली, लाल चकत्ते और एलर्जी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। लगातार बढ़ रही इस समस्या से स्कूल में भय का माहौल है। स्थिति यह है कि कई अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी है।ग्रामीणों के अनुसार स्कूल पहुंचने के कुछ समय बाद ही कई बच्चों के हाथ, पैर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। देखते ही देखते लाल धब्बे और चकत्ते उभर आते हैं। कुछ बच्चों को इतनी अधिक परेशानी होती है कि उन्हें बीच में ही घर लौटना पड़ता है। यही समस्या कुछ शिक्षकों के साथ भी देखने को मिली है।विद्यालय के प्रधान पाठक अखिलेश पटेल ने बताया कि स्कूल में नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जा रही है। फिनाइल और अन्य कीटाणुनाशक दवाओं से कक्षाओं की धुलाई भी की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रतिदिन दो से चार बच्चों में खुजली की शिकायत सामने आ रही

है। स्कूल प्रबंधन स्वयं भी इस समस्या को लेकर चिंतित है।विद्यालय परिसर में संचालित प्राथमिक शाला के बच्चों में भी कभी-कभी इसी तरह के लक्षण देखने को मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि समस्या पूरे परिसर में फैली हुई हो सकती है।ग्रामीणों का मानना है कि स्कूल परिसर के आसपास महुआ और आम के कई पुराने पेड़ हैं। बरसात के मौसम में इन पेड़ों से रोएंदार या जहरीले कीड़े नीचे गिरते हैं। बच्चों के संपर्क में आने पर उनके शरीर में एलर्जी और खुजली की समस्या हो सकती है। हालांकि यह केवल स्थानीय लोगों की आशंका है और इसकी पुष्टि विशेषज्ञ जांच के बाद ही हो सकेगी।ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को लगभग एक सप्ताह पहले दे दी गई थी, लेकिन अब तक न तो स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम स्कूल पहुंची है और न ही पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया है। स्कूल में दवा का छिड़काव भी नहीं कराया गया है। इससे अभिभावकों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य विभाग ने पहल नहीं की तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल परिसर में तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों की जांच कराई जाए। साथ ही परिसर में प्रभावी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर संभावित कीटों या एलर्जी के स्रोत की पहचान की जाए।

ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा शिक्षा विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि बच्चों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। समय रहते उचित कदम उठाए जाने से बड़ी समस्या टाली जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि खुजली का कारण किसी जहरीले कीड़े का संपर्क है, एलर्जी है या कोई अन्य चिकित्सीय कारण। फिलहाल पूरे गांव की निगाहें स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवती ने मामा के घर पर फांसी लगाई हुई मौत, घटना की खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। कोतवाली क्षेत्र के नया पटेल नगर निवासी इंद्रपाल यज्ञिक पुत्र माता प्रसाद याज्ञिक यहां अपने मकान में रहते है आज बुधवार को उनकी भांजी ज्योति उम्र सोलह वर्ष अपने घर में अकेली थी तभी उसने मकान में बने आंगन में लोहे के जाल में

रस्सी बांधकर गले में का फंदा डालकर फांसी लगा ली। इसकी सूचना इंद्रपाल ने 112 नम्बर पर दी मौके पर कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह मंडी चौकी के इंचार्ज नीतीश कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल और शव की जांच पड़ताल की और इस घटना की सूचना पर फारेंसिक टीम भी मौके पर आई और साक्ष्य संकलन कर कार्यवाही की पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया है बताया गया है कि मृतक की मां नहीं थी और वह अपने मामा के यहां पर पढ़ाई कर रही थी इस आत्म हत्या की बजह का पता नहीं चल पाया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

थाना इस्लामनगर पुलिस नें चोरी की मोटरसाईकिल की घटना में 03 अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ के एसएसपी आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशानुसार तथा क्षेत्राधिकारी बिल्सी के पर्यवेक्षण मे अपराध एवं अपराधियो के विरुध चलाये जा रहे अभियुक्तो की गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना इस्लामनगर पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन / व्यक्ति चैकिंग के दौरान मगंला देवी

मन्दिर से 03 नफर अभियुक्तगण 1.राजू उर्फ रज्जू पुत्र मुनेन्द्र 2.तोफिक उर्फ तोसिफ पुत्र बदलू 3.फिरासत पुत्र बदलू निवासीगण ग्राम लश्करपुरओईया थाना इस्लामनगर जनपद बदायू को मय चोरी की गई 03 मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया । जिनके सम्बन्ध मे थाना इस्लामनगर पर मु0अ0सं0 200/26 धारा 317(2)/317(4)/318(4)/111बीएनएस पंजीकृत कर उपरोक्त अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

सीडीओ की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जीरो पावर्टी, पंचायत भवन, विद्युतीकरण, खेल मैदान, गोवंश संरक्षण, गोवंश आश्रय स्थल, आवास सर्वे, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, आईजीआरएस, आरआरसी निर्माण, पंचायत सहायक मॉनिटरिंग एवं फैमिली आईडी सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करते हुए कार्ययोजना शत-प्रतिशत पोर्टल पर फीड कराना सुनिश्चित करें। जिन विकास खण्डों में लक्ष्य अपूर्ण रहेंगे, उसके लिए संबंधित खण्ड विकास अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतवार कार्यस्थलों एवं पौधारोपण की सूचना कार्ययोजना में अंकित की जाए तथा सभी कार्यों का नियमित सत्यापन कराया जाए। उन्होंने जॉब कार्ड एवं आवास लाभार्थियों का सत्यापन कर प्रमाण पत्र जारी करने तथा गोवंश संरक्षण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए।

Vikrant Massey's "Musafir Cafe" was shot in these locations; these locations are even more beautiful than the love story itself.

Vikrant Massey's web series "Musafir Cafe," based on Divya Prakash Dubey's novel, is being praised for its story as well as its beautiful locations. Recently, Netflix released a series based on Divya Prakash Dubey's novel, titled Musafir Cafe. In this series, Vikrant Massey, Vedika Pinto, and Mahima Makwana are seen in a love triangle. People are loving this series as much for its story as for its beautiful locations. Shot amidst the beautiful hills and serene lakes, these locations make the series even more beautiful. If you are planning to watch or have already watched Musafir Cafe, you should definitely learn about the shooting locations. Learning about the beauty of these places will make the story of this series even more captivating. Bhopal's Lakes and Beautiful Views - Bhopal, the capital of Madhya Pradesh, is a key location in this series. Shooting took place near Bhopal's famous Bhojtal, also known as Bada Talab. Near this lake stands a huge statue of King Bhoj, which is why it earned its name Bhojtal. This man-made lake is awe-inspiring in its beauty. The serenity and natural scenery surrounding it make the love story depicted in this series even more beautiful. In addition to this lake, you can visit the Tribal Museum in Bhopal, explore Van Vihar National Park, and be sure to visit the State Museum. Much of Mussoorie's Valleys and Musafir Cafe were shot in Mussoorie. In fact, parts of Chander and Preeti's love story were filmed there. The beautiful winding roads and the stunning views of the hilltops of Mussoorie will make you want to visit Mussoorie. In many scenes of this series, you can witness the beauty of Mussoorie. In Mussoorie, you can see the beautiful mountain views from George Everest Peak. The view will make you forget everything and feel like staying here. You can stroll along Mall Road, go shopping, relax near Bhatta Falls, or have a picnic in Company Garden.

"Prince of the Son" and "Papa's Angel"... Is childhood pampering ruining married life?

These aren't just jokes on social media; upbringing truly impacts personality. This personality impacts married life. In Indian homes, different approaches are adopted for raising boys and girls. This is why it's common for families of the Son" or "Mamma's Boy." a negative connotation, as memes on focus on relationships and discuss on married life. Running away from on their parents in childhood often don't though this is what they need most after and there's no burden on one's head, a responsibilities suddenly arise, it's relationships. Hesitation in making negative aspect of parenting in Indian decisions, whether it's personal life, of making any decision once married people start comparing their partners; their exes. In fact, every girl wants a life a mother figure in his partner. Often, this Inability to set boundaries - This many situations, they are unable to spent their childhood with their parents,

to call girls "Papa's Angel" and boys "Prince However, over time, these terms are taking on social media are a prime example. Today, we'll whether childhood pampering is taking a toll responsibility - People who depend too much understand responsibility later in life, even marriage. When everything is easily available person begins to feel free. Then, when natural to have difficulties managing decisions, whether small or big. The most homes is not allowing children to make career, or financial matters. As a result, the fear can ruin things. Comparing partners - Most we're not talking about comparing them with partner like her father, and every boy looks for comparison causes bitterness in relationships. problem often occurs with men because, in balance their parents and their wives. Having they can't ignore them, and the wife needs support the most at this time to help them adjust to the new family. In such a situation, if the balance is too heavy on one side, it impacts the other. Lack of emotional maturity - Those who never received rebuke in childhood and haven't learned to compromise often lack emotional maturity. In such situations, instead of understanding their partner, they prefer to share everything with their parents, which only worsens the situation.

Bright in studies and sensible in behavior; adopt these secrets of Japanese parenting today for your child's future.

Japanese parenting teaches effective methods to raise children to be responsible, disciplined, and self-reliant. Every parent wants their child to be not only academically adept but also intelligent, disciplined, and self- in today's fast-paced life is no less style is appreciated worldwide. The responsible, sensitive, and self- Japanese parenting tips that you can Japanese Parenting Tips - Teaching children learn to do even small tasks their school bags, keeping their household chores are all part of their confident and fosters a sense of - In Japanese parenting, discipline Children are taught to value time, children clean their own classrooms, Emotional Bonding - Japanese with their children in their early which the child feels safe and development and builds self- culture, children are taught thinking. This helps them integrate Japanese parents encourage keeping them away from mobile

reliant. Guiding children in the right direction than a challenge. Therefore, Japan's parenting Japanese parenting system develops reliant children. Let's explore some special adopt to strengthen your child's future. Responsibility from a Young Age - In Japan, on their own from a very young age. Packing room organized, or helping with small daily routine. This helps them become self- responsibility. Special Emphasis on Discipline is taught not as a strict rule, but as a habit. follow rules, and respect others. In schools, which instills a sense of collective responsibility. mothers develop a deep emotional connection years. This is called the feeling of "amae," in surrounded by love. This improves their mental confidence. Group Work Habit - In Japanese teamwork, cooperation, and collective better into society. Limiting Screen Time - children to engage in creative activities by phones and television. Reading, playing outdoors, and engaging in art are part of their daily routine, which contributes to their overall development. Opportunity to Learn from Mistakes - Instead of scolding them for every small mistake, they are counseled. They are given the opportunity to learn from their mistakes. This fosters self-reliance and problem-solving skills. Character development is more important than education – the focus isn't just on grades, but on qualities like honesty, humility, and empathy.

Shagufta Ali opens up about her financial hardship and cancer, reveals the truth about the 5 lakh rupees she received from Madhuri Dixit!

Actress Shagufta Ali revealed the truth behind the rumor that Madhuri Dixit helped her during her financial crisis. Shagufta Ali was struggling financially - Did Madhuri Dixit help? - The actress shared an incident from the set who has appeared in TV serials like Adalat, Saath Nibhaana Saathiya, and Laila Majnu, recently spoke about She also revealed the truth about the 5 the set of the reality show Dance diagnosis. Senior actress Shagufta Ali didn't disclose her stage 3 breast cancer it would impact her career and future worried that if people in the industry offering her roles. The 59-year-old often advised against discussing serious opportunities. She added that the fear her illness publicly. Facing financial financial difficulties worsened during cover the cost of treatment. She car to meet her expenses. However, she She said that even today she feels work and medical treatment. She Deewane. During her financial reality show Dance Deewane, where

of Dance Deewane 3. Actress Shagufta Gupta, Sasural Genda Phool, Sasural Simar Ka, Veera, and films like Hero No. 1, Sirf Tum, the time when she was struggling financially. lakh rupee check Madhuri Dixit gave her on Deewane 3. Shagufta Ali hid her cancer recently revealed in an interview that she to anyone for a long time because she feared work opportunities. The actress said she was learned about her illness, they might stop actress explained that at the time, actors were illnesses, as it could impact their career of losing work prevented her from disclosing hardships: Shagufta Ali also revealed that her this time, and her savings were depleted to explained that she had to sell her jewelry and clarified that she did not have to sell her house. comfortable traveling by auto-rickshaw for received 5 lakh rupees on the set of Dance hardships, Shagufta was seen on the dance she discussed her struggles. Madhuri Dixit, one of the judges, came on stage and handed her a cheque for 5 lakh rupees. After this, everyone assumed Madhuri had helped Shagufta Ali. However, years later, Shagufta Ali has revealed the truth. In a recent interview, she revealed that Madhuri had not given her the money, but rather that the show had given it to her. Madhuri had simply come on stage to hand her the cheque. Shagufta recalled, "I went to Dance Deewane and was told that I was coming as a guest and that it was Helping Week." So just come there and give chocolates to the children." The actress further explained, "There, Harsh and the others were asking me questions, like, 'You had cancer, you were unwell, this...' Then I said, 'Cut, cut, cut,' and I started crying. I composed myself and told the truth, and even then people objected. What was the need to say that?" When Shagufta Ali was asked if Madhuri Ma'am had helped her, the actress replied, "No, no, it was a check from the production house; Madhuri just brought it to me." Shagufta Ali's career: Shagufta Ali began her acting career at the age of 17. She has starred in several shows, including "Parampara," "Junoon," "Saans," "Madhubala Ek Ishq Ek Junoon," "Ek Veer Ki Ardaas...Veera," and "Bepanah." She has also been a part of films like "Ajooba," "Gardish," and "Laila Majnu."

Photos of Justin Trudeau and Katy Perry's private moments go viral, prompting angry users to criticize them, saying they're both weird.

Former Prime Minister Justin Trudeau and singer Katy Perry were spotted in an awkward situation. Some users loved their appearance, while others criticized them. Let's find out what

the whole story is about. Former Canadian Prime Minister Justin Trudeau and singer Katy Perry are in a relationship. Rumors of their dating began in mid-

2025, and later, through public appearances and Instagram posts, they confirmed they were together. Now, photos of them are going viral on social media, showing Justin applying sunscreen lotion to Katy's body. What's in the viral photos? According to reports, the two are vacationing in France, and the viral photos have become a topic of discussion. In one photo, the politician can be seen applying lotion under the singer's top. Their love has caught the attention of netizens. Users commented: "I'm afraid Justin Trudeau and Katy Perry might have sex in public one day. They're really weird." Another user wrote, "These new photos of Katy Perry and Justin Trudeau have surfaced. I wasn't prepared for this. The sunscreen moment alone has shocked people. It's been a year, and they're still like this." Reacting to the photos, a netizen tweeted, "Justin and Katy Perry's bond is unimaginable. The way he applies sunscreen to her shows how close they are." The actor is 13 years older: It's always said that age is just a number, but if we look at the age difference between Justin and Katy, Justin is 13 years older than Katy. Justin is 54, and Katy is 41. Although there are reports that they have been dating for a year, it will be interesting to see whether they will get married soon or continue dating each other.

Tom Cruise's daughter Suri removed her father's surname, legally ending the relationship?

Hollywood superstar Tom Cruise is once again in the news regarding his daughter Suri. Suri has ended her relationship with her father Tom Cruise; Suri has removed her father's surname; Suri lives with her mother Katie Holmes. movie franchises like Mission: Impossible and Top for his personal life. He frequently makes that Suri, the daughter of Tom Cruise and his ex- also removed the Cruise surname from her name. Cruise's surname - Based on a Page Six report, it removed her father and Hollywood star Tom Noel to her name, meaning Suri Noelle. Tom ago when she didn't use her father's surname on Suri wanted to stay out of the limelight and avoid start a new career in college. At the time, several respect to her mother as a daughter by using her is no relationship left between Tom Cruise and his

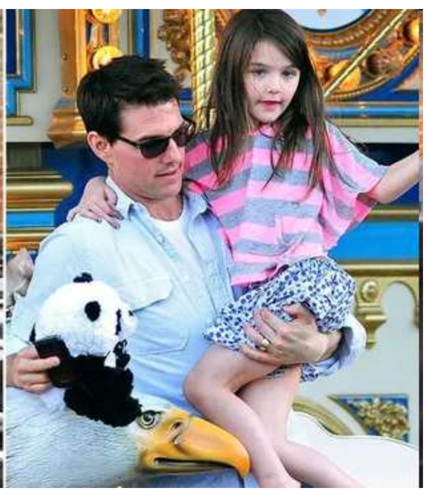

Hollywood superstar Tom Cruise, who won the hearts of fans with Gun, remains in the news not only for his professional life but also headlines, especially regarding his daughter Suri. Now, news is coming wife Katie Holmes, has legally ended all ties with her father and has What's the whole matter? Let's find out: Suri removes father Tom is being reported that, through legal recourse, Suri has now officially Cruise's surname from her name forever. Suri has added the surname Cruise's 20-year-old daughter, Suri, made headlines nearly two years her graduation ceremony pamphlet from LaGuardia High School. paparazzi, while also carving out her own identity. She wanted to English newspapers and websites reported that Suri was showing mother's middle name, "Noelle Holmes." But now it is clear that there daughter Suri. Suri was 7 years old when her parents got divorced - Katie Holmes was Tom Cruise's third wife, before that Tom had married two more times with Mimi Rogers and Nicole Kidman. Katie and Tom chose each other as their life partners in the year 2006. Katie was pregnant even before marriage and after 6 years in 2012, she and Tom got divorced. At that time Suri was only 7 years old. Let us tell you that in the coming time, Tom Cruise will be seen in the third installment of the film Top Gun.